योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया

पाठमाला

के लिये आवेदन

ध्यान, क्रिया-योग विज्ञान, एवं
संतुलित आध्यात्मिक जीवन-शैली की कला सीखिये

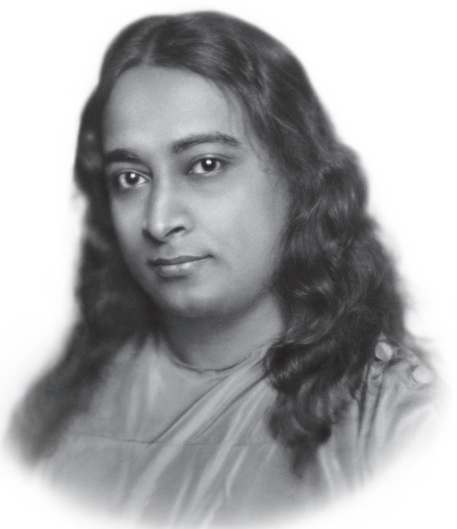

"शेष सब कुछ प्रतीक्षा कर सकता है परन्तु आपकी ईश्वर की खोज प्रतीक्षा नहीं कर सकती।"

— श्री श्री परमहंस योगानन्द

Yogoda Satsanga Society of India
FOUNDED 1917 BY PARAMAHANSA YOGANANDA

आत्म-साक्षात्कार के लिये *योगदा सत्संग पाठमाला* में आपका स्वागत है...

योगदा सत्संग पाठों के अध्ययन द्वारा आत्मा की जीवन रूपान्तरक खोज की इस यात्रा पर हम आपका स्वागत करते हैं। इस यात्रा में परमहंस योगानन्द द्वारा प्रदत्त आदर्श जीवन की शिक्षाओं का समावेश है। इन शिक्षाओं में ध्यान की ऐसी सर्वोच्च प्रविधियाँ सम्मिलित हैं जो हमें हमारे सच्चे स्वरूप का साक्षात्कार प्रदान करती हैं तथा यह दर्शाती हैं कि हम अपने जीवन तथा संसार में चिरस्थायी शान्ति, आनन्द, एवं प्रेम को कैसे ला सकते हैं।

योगदा पाठ प्राप्त करने वाले शिष्यों को प्रति माह चार पाठ प्रेषित किये जाते हैं, तथा उनसे यह आशा की जाती है कि वे एक पाठ के पठन में कम-से-कम एक सप्ताह का समय देंगे। यह परामर्श स्वयं परमहंसजी का दिशानिर्देश है। उन्होंने पाठों में बताये गये सिद्धांतों एवं पद्धतियों को मात्र बौद्धिक स्तर पर पढ़ने की अपेक्षा, इनका अभ्यास करने तथा इन्हें आत्मसात् करने की आवश्यकता पर सदा बल दिया था।

सदस्यता सम्बन्धी सूचना

हिन्दी की *पाठमाला* श्रृँखला में कुल 182 पाठ हैं जो 7 चरणों में विभाजित हैं। सम्पूर्ण *पाठमाला* प्रेषित करने में 3 वर्ष और 9 महीने का समय लगता है। उक्त पाठों में शक्ति-संचार व्यायाम, एकाग्रता की हं सः प्रविधि, एवं ध्यान की ॐ प्रविधि पर सविस्तार दिशा-निर्देश दिये गये हैं, और ये तीनों प्रविधियाँ क्रिया-योग विज्ञान का अभिन्न अंग हैं। ध्यान प्रविधियों के साथ-साथ ये पाठ परमहंसजी की शिक्षाओं के सभी सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण पहलुओं की सविस्तार व्याख्या भी प्रदान करते हैं। *योगदा सत्संग पाठमाला* की सदस्यता के लिए अनिवार्य है कि आपकी आयु 12 वर्ष या उससे अधिक हो। यदि आप अपने बच्चों को *योगदा पाठों* से अवगत कराना चाहते हैं तो इस हेतु मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिये कृपया योगदा सत्संग सोसाइटी के राँची आश्रम से सम्पर्क करें।

सभी सच्चे अन्वेषियों को परमहंस योगानन्दजी की शिक्षायें सुलभ कराने हेतु, पृष्ठ 4 पर दिये गये सदस्यता शुल्क को कम-से-कम रखा गया है और इससे पाठों के प्रकाशन तथा शिष्यों को दी जाने वाली अन्य सेवाओं में आयी लागत का कुछ हिस्सा ही पूरा हो पाता है। अन्य धर्मार्थ आध्यात्मिक संस्थाओं की भाँति योगदा सत्संग सोसाइटी भी अपनी आध्यात्मिक एवं परोपकारी गतिविधियों के संचालन पर होने वाले व्यय-भार का वहन करने हेतु भक्तों एवं शुभचिंतकों द्वारा दिये अनुदानों पर निर्भर करती है। आपसे अनुरोध है कि अपने अनुदान योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया के नाम से भेजें। सभी अनुदान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80-G के तहत छूट प्राप्त हैं। अधिक जानकारी के लिये कृपया हमारी वेबसाइट **www.yssofindia.org** देखें।

डिजिटल पाठ एवं अन्य सामग्री

योगदा सत्संग की हिन्दी *पाठमाला* के कुछ चुनिन्दा पाठ डेवोटी पोर्टल (**devotees.yssofindia.org**) में उपलब्ध हैं। डिजिटल पाठ मुद्रित पाठों को प्रतिस्थापित नहीं करती, बल्कि इनका उपयोग मुद्रित पाठों के साथ-साथ किया जाना चाहिए।

क्रिया-योग प्रविधि

पाठमाला के प्रथम दो चरणों को पूरा करने तथा प्रथम वर्ष के दौरान प्राप्त मूल प्रविधियों के सत्यनिष्ठ अभ्यास के उपरांत, भक्तजन पावन क्रिया-योग प्रविधि की दीक्षा के लिये आवेदन कर सकते हैं। इस सम्बन्ध में अतिरिक्त जानकारी पाठ संख्या 52 के साथ संलग्न है।

एक ही परिवार के सदस्यों के लिये सहपाठ योजना

यदि आपके परिवार का कोई सदस्य, जिसकी आयु 12 वर्ष या उससे अधिक हो तथा जो आपके ही पते पर निवास करता हो, आपके पाठों को पढ़ने का इच्छुक है तो वह सहपाठी शिष्य के रूप में अपना नाम दर्ज़ करा सकता है। सहपाठ सुविधा प्राप्त करने के लिये प्रत्येक आवेदक को ₹50 के सदस्यता शुल्क सहित व्यक्तिगत *आवेदन एवं शपथ फ़ॉर्म* भेजना होगा।

सहपाठ योजना के अंतर्गत शिष्य पाठों का एक ही सेट (प्रति माह भेजे गये चार पाठ) आपस में बाँट सकते हैं। सहपाठ योजना एक ही पते पर निवास करने वाले परिवार के उन सदस्यों को प्रदान की जाती है जो कई वर्षों तक एक ही पते पर साथ रहेंगे और पाठों के एक ही सेट को आपस में बाँट कर पढ़ सकेंगे। चूँकि इन शिक्षाओं का महत्त्व बारम्बार पठन करने एवं पुनरवलोकन करने के द्वारा अनुभव हो पाता है, और चूँकि भक्त उन पंक्तियों को रेखांकित करना या उन स्थानों पर अपनी टिप्पणी करना चाह सकता है जो उसे विशेष तौर पर लाभदायक या प्रेरणादायक महसूस होते हों, अतः ये पाठ भक्त के लिये बहुत निजी एवं अनिवार्य बन जाते हैं। इस कारण, उन परिवारजनों या मित्रों को जो केवल अस्थायी रूप से एक पते पर निवास कर रहे हैं, या जो एक साथ पाठ पढ़ना चाहते हैं परन्तु भिन्न पतों पर निवास करते हैं, यह सुझाव दिया जाता है कि वे अपना नाम अलग-अलग दर्ज़ करायें ताकि उन्हें उनके निजी पाठ प्राप्त हो सकें।

योगदा सत्संग पत्रिकायें

वार्षीक *योगदा सत्संग* पत्रिका हिंदी, अंग्रेज़ी, तथा बाँगला भाषाओं में प्रकाशित की जाती हैं। इस पत्रिका में शिष्यों के लिये परमहंस योगानन्दजी के प्रेरणास्पद लेख सम्मिलित होते हैं। साथ ही इसमें योगदा सत्संग सोसाइटी की गतिविधियाँ एवं समाचार भी सम्मिलित रहते हैं।

हमसे सम्पर्क करें

अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क करें: सोम-शनि प्रातः 9:00 से सायं 4:30; फ़ोन (0651) 6655 555; helpdesk@yssi.org

कृपया इस पृष्ठ को यहाँ से काट कर अपने उपयोग के लिये रख लें।

हिन्दी की पाठमाला के लिये आवेदन फ़ॉर्म

निम्नलिखित प्रश्नों के आपके संक्षिप्त उत्तर व्यक्तिगत रूप से आपको जान पाने में हमारी सहायता करेंगे, ताकि हम आपको इन शिक्षाओं के विषय में बेहतर मार्गदर्शन प्रदान करने में सक्षम हो सकें। (कृपया ध्यान दें: आपके द्वारा दी गयी सारी जानकारी गोपनीय रखी जायेगी, तथा केवल उन्हें ही प्रदान की जायेगी जिन्हें आपके आध्यात्मिक प्रयासों में आपकी सहायता करने हेतु इनकी आवश्यकता पड़ेगी।) **कृपया स्पष्ट अक्षरों में लिखें**

नाम (श्री/सुश्री/कुमारी) _____

पता (स्पष्ट अक्षरों में) _____

_____

_____

पिन _____ शहर _____ जिला _____ राज्य _____ देश _____

मोबाइल नंबर† _____ फ़ोन नंबर _____ राष्ट्रीयता _____

ईमेल† _____

क्या पहले कभी आपने योगदा पाठमाला के लिये पंजीकरण कराया है? हाँ ☐ नहीं ☐ यदि हाँ, तो अपनी पाठ पंजीकरण संख्या लिखें L- _____

जन्म तिथि | D | D | M | M | Y | Y | Y | Y | स्त्री/पुरुष _____ वैवाहिक स्थिति विवाहित ☐ अविवाहित ☐ तलाक़शुदा ☐ विधुर/विधवा ☐

क्या आप स्कूल या कॉलेज में पढ़ रहे हैं? हाँ ☐ नहीं ☐

शैक्षिक योग्यतायें _____ अध्ययन किये गये विषय _____

व्यवसाय _____ प्रमुख रुचियाँ _____

बोल-चाल की प्राथमिक भाषा _____ अन्य भाषायें _____

क्या आपको कोई शारीरिक अथवा मानसिक स्वास्थ्य सम्बन्धी कष्ट हैं जिनके कारण आपको ध्यान करने में असुविधा हो? _____

धर्म _____ क्या आप ईश्वर में या परमसत्ता में विश्वास रखते हैं? _____

क्या आप किसी सन्यास सम्प्रदाय से सम्बन्धित हैं? हाँ ☐ नहीं ☐ (यदि *हाँ*, तो विवरण दें) _____

क्या वर्तमान में आप कोई साधना कर रहे हैं? (*विवरण दें*) _____

क्या आपने कहीं से दीक्षा ली हुई है? हाँ ☐ नहीं ☐ (यदि *हाँ*, तो विवरण दें) _____

आपको *योगदा सत्संग पाठमाला* की जानकारी कैसे प्राप्त हुई? मित्र/परिवारजन से ☐ *योगी कथामृत* से ☐ पब्लिक सत्संग से ☐ योगदा सत्संग सोसाइटी के ध्यान केन्द्र से ☐

इन्टरनेट से ☐ सोशियल मीडिया से ☐ अन्य माध्यम ☐ (यदि *अन्य*, तो विवरण दें) _____

क्या आपने परमहंस योगानन्दजी की *योगी कथामृत* पुस्तक पढ़ी है? हाँ ☐ नहीं ☐ *योगदा सत्संग सोसाइटी* की अन्य पुस्तकें _____

आपने किन आध्यात्मिक अथवा अध्यात्म सम्बन्धी दार्शनिक पुस्तकों को पढ़ा है? (*कृपया उन पुस्तकों के नाम लिखें जिन्हें आपने सबसे अधिक लाभदायक पाया हो*)

_____

योगदा सत्संग शिक्षाओं का अध्ययन करने के आपके विशेष कारण क्या हैं? _____

वैकल्पिक: अच्छा होगा यदि आप अपना एक छोटा फ़ोटो भेज सकें। कृपया फ़ोटो के पीछे अपना नाम अवश्य लिखें।

† आपको पंजीकरण से सम्बन्धित जानकारियाँ एवं अन्य सन्देश SMS/ईमेल द्वारा भेजे जायेंगे।

केवल कार्यालय के उपयोग के लिये (कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें)

Lessons Registration No. L- | | | | | | | | Date _____

— योगदा सत्संग पाठमाला के लिये आवेदन —

परमहंस योगानन्दजी के समय से ही यह परम्परा रही है कि ये *योगदा सत्संग पाठ* जनसाधारण को नहीं प्रदान किये जाते; अपितु *योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया* द्वारा ये विश्वास एवं गोपनीयता के साथ विशेषकर केवल ऐसे भक्तों को ही प्रदान किये जाते हैं जो सत्यनिष्ठता के साथ इनका पठन एवं अभ्यास करने के इच्छुक हों, तथा जो इस आध्यात्मिक निर्देश को गोपनीय रखने के प्रति कृतसंकल्प हों।

पाठमाला सम्बन्धी शपथ

"मैं इन शिक्षाओं का अध्ययन करना चाहता/चाहती हूँ, तथा *योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया* द्वारा सिखाये गये धर्म-निरपेक्ष सिद्धांतों एवं ध्यान की प्रविधियों को सीखना चाहता/चाहती हूँ।

"मैं गहनतम सत्यनिष्ठा की भावना से इस अध्ययन को ग्रहण करता/करती हूँ। मैं जानता/जानती हूँ कि *योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया* के पथ पर आध्यात्मिक प्रगति करने के लिये मुझे इन पाठों को निष्ठापूर्वक पढ़ना होगा तथा इन प्रविधियों का एकाग्रता के साथ एवं नियमित रूप से अभ्यास करना होगा।

"मैं वचन देता/देती हूँ कि इन शिक्षाओं को इनके शुद्ध रूप में बनाये रखने में सहायता प्रदान करने के लिये, तथा ऐसे व्यक्तियों द्वारा दार्शनिक व्याख्या एवं प्रविधियों के त्रुटीपूर्ण अभ्यास किये जाने को रोकने के लिये जिन्हें पर्याप्त रूप से प्रशिक्षण नहीं दिया गया हैं, मैं अपने पाठों को सिर्फ़ और सिर्फ़ अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिये ही अपने पास रखूँगा/रखूँगी। इनमें रुचि प्रकट करने वाले व्यक्तियों को मैं *योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया, राँची*, से सम्पर्क करने के लिये कहूँगा/कहूँगी ताकि वे सम्पूर्ण शिक्षायें प्राप्त कर सकें, एवं श्री श्री परमहंस योगानन्द द्वारा संस्थापित इस संस्था के साथ प्रत्यक्ष आध्यात्मिक सम्पर्क स्थापित करने के द्वारा पूरा-पूरा लाभ प्राप्त कर सकें।"

(निस्सन्देह आप अन्य व्यक्तियों के साथ *योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया* के मूल आदर्शों की चर्चा कर सकते हैं, परन्तु *योगदा सत्संग* पाठ एवं ध्यान-प्रविधियाँ केवल आपके व्यक्तिगत अभ्यास के लिये ही हैं।)

_____	_____	_____	_____
*(हस्ताक्षर)**	*(दिनांक)*	*(माता-पिता या अभिभावक के हस्ताक्षर)**	*(आवेदक के साथ सम्बन्ध)*

*आपके हस्ताक्षर अनिवार्य हैं। यदि आपकी आयु 18 वर्ष से कम है, तो *पाठों* के पढ़े जाने की अनुमति स्वरूप कृपया अपने माता-पिता या अभिभावक से हस्ताक्षर करवायें।

इस शपथ पर हस्ताक्षर करते हुए मैं यह प्रमाणित करता/करती हूँ कि मैं अपने क़ानूनी नाम का उपयोग करते हुए योगदा सत्संग पाठमाला *के लिये आवेदन कर रहा/रही हूँ।*

पंजीकरण का विवरण

यह सदस्यता फॉर्म केवल हिन्दी पाठों के आवेदन करने के लिए ही है

(ये शुल्क केवल भारत के लिये ही लागू हैं)

योगदा सत्संग पाठ

	साधारण डाक‡	विशेष डाक†
60 पाठ (15 माह)	☐ ₹150	☐ ₹300..... _____

कृपया नोट करें कि अभी सिर्फ प्रथम 60 पाठों का ही पंजीकरण किया जा सकता है। आगे के पाठों के पंजीकरण की जानकारी भविष्य में उपलब्ध कराई जाएगी।

सहपाठ योजना (केवल एक परिवार के सदस्यों के लिये) ☐ ₹50..... _____

सहपाठी सदस्यों को अलग से आवेदन फ़ॉर्म भी भेजना होगा

मूल सदस्य का नाम एवं पंजीकरण संख्या _____

सहपाठी का मूल सदस्य के साथ सम्बन्ध _____

अनुदान _____

इन पाठों पर छूट देने तथा *योगदा सत्संग सोसाइटी* की आध्यात्मिक एवं धर्मार्थ गतिविधियों के संवर्द्धन हेतु

पैन/आधार कार्ड संख्या (आयकर अधिनियम के तहत अनिवार्य) _____

योगदा सत्संग पत्रिका

	विशेष डाक†	
1 **वर्ष**	☐ ₹120	_____
2 **वर्ष**	☐ ₹240	_____
3 **वर्ष**	☐ ₹360	_____

भाषा ☐ अंग्रेज़ी ☐ हिन्दी ☐ बाँगला **कुल योग ₹** _____

आप अपने भुगतान यूपीआई (UPI) द्वारा, अथवा **योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया** के नाम से चेक या राँची शहर स्थित किसी बैंक के ड्राफ़्ट द्वारा भेजें। कृपया पाठ पंजीकरण की राशि समेत अपना आवेदन एवं शपथ फ़ॉर्म भरकर इस पते पर भेजें: **योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ़ इण्डिया, परमहंस योगानन्द पथ, राँची 834 001, झारखण्ड (भारत)**।

भुगतान सम्बन्धी विवरण

कृपया विवरण भरें

भुगतान का माध्यम:

BHIM | UPI

SCAN & PAY WITH ANY UPI APP

☐ Cash

☐ UPI

Date: _____

UPI Id _____

☐ Cheque/D.D

No. _____

Bank _____

† गत वर्षों के अनुभव के आधार पर हमारा सुझाव है कि आप विशेष डाक का चयन करें ताकि सुनिश्चित रूप से आप तक पाठ/पत्रिका पहुँच सकें। आप इन्हें ट्रैक भी कर सकेंगे। यदि ये आप तक नहीं पहुँच पाते तो हम इन्हें पुनः आपको निःशुल्क प्रेषित करेंगे।

‡ साधरण डाक द्वारा भेजे गये पाठों को हम ट्रैक नहीं कर सकते। यदि पाठ/पत्रिका खो जाये/क्षतिग्रस्त हो जाये/नहीं पहुँच पाये तो इसके लिये हम उत्तरदायी नहीं होंगे। प्रेषण के दौरान खोये/क्षतिग्रस्त/नहीं पहुँच पाये पाठ/पत्रिका दोबारा प्राप्त करने के लिये आपको पुनः उन पाठों के लिये भुगतान करना होगा।

नोट: यदि आप *योगदा सत्संग पाठों* के लिये भुगतान करने में असमर्थ हैं तो कृपया हमसे सम्पर्क करें।

Copyright © 2019 Self-Realization Fellowship. All rights reserved.